DPL–01

June – Examination 2024

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) अर्धमागधी प्राकृत में कौनसी विभक्ति के लिए समान प्रत्यय प्रयुक्त होता है ?

(ii) धम्म शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप लिखिए।

(iii) पुच्छित्था शब्द में क्रिया एवं प्रत्यय विभक्ति कीजिए।

(iv) हेत्वर्थक कृदन्त के रूप लिखिए।

(v) कर्पूरमंजरी के लेखक कौन हैं ?

(vi) दिगम्बर जैनागम किस भाषा में लिखे गये हैं ?

(vii) प्राकृतप्रकाश ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं ?

(viii) नित्य शब्द को महाराष्ट्री प्राकृत में लिखिए।

(ix) पैशाच देश किन प्रान्तों को कहा जाता है ?

(x) रावणवध किस ग्रन्थ का उपनाम है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. शौरसेनी प्राकृत की विशेषताएँ लिखिए।

3. अष्टपाहुड को स्पष्ट कीजिए।

4. कंसवहो ग्रन्थ का सामान्य परिचय दीजिए।

5. वाक्पतिराज के व्यक्तित्व को स्पष्ट कीजिए।

6. लीलावती ग्रन्थ में पर्वत वर्णन प्रसंग पर टिप्पणी कीजिए।

7. गाथा अथवा वंशस्थ छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

8. मृच्छकटिकम् नाटक की कथा को संक्षेप में समझाइए।

9. लज्जावग्ग के आधार आदर्श नारी की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. अर्धमागधी प्राकृत साहित्य के विपुल ग्रन्थ भण्डार की समीक्षा कीजिए।

11. पैशाची प्राकृत की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. संस्कृत नाटकों में प्राकृत भाषा के प्रयोग पर एक लेख लिखिए।

13. गाथासप्तशती ग्रन्थ की वर्तमान प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।